Shree Ram Sharnam,
International Spiritual Centre
8A, Ring Road, Lajpat Nagar - IV,
New Delhi - 110 024, INDIA

तुम ही मैं हूँ, फिर चिंतन क्या

तुम ही मैं हूँ, फिर चिंतन क्या, मैं ही तुम हो, फिर उलझन क्या।
तुम ही मैं हूँ, मैं ही तुम हो, तुम ही मैं हूँ, मैं ही तुम हो।
सबके भीतर एक ब्रह्म ह तेरी मेरी फिर अनबन क्या॥
तुम ही मैं हूँ, मैं ही तुम हो . . .

सारा झगड़ा मैं और तुम का, खूनखराबा मैं और तुम का।
क्रोध कपट दुश्मनी दोस्ती, सभी दिखावा मैं और तुम का॥
तुम ही मैं हूँ, मैं ही तुम हो . . .

फूलों में मकरन्द तुम्ही हो, मीठी मोहक गन्ध तुम्ही हो।
तुम्ही स्वासों के संचालक हो, योगी के नन्द तुम्ही हो॥
तुम ही मैं हूँ, मैं ही तुम हो . . .

मलयागिरि की पवन तुम्ही हो, कलाकार का सृजन तुम्ही हो।
दुःख के गहरे अन्धकार में, शाओं की किरण तुम्ही हो॥
तुम ही मैं हूँ, मैं ही तुम हो . . .

www.shreeramsharnam.org / www.ibiblio.org/ram